SEWA BSNL के आधारहीन आवेग (भड़ास) का BSNLEU द्वारा जवाब.

17.07.2018 को SEWA BSNL ने अपनी वेबसाइट पर BSNLEU और कॉम पी अभिमन्यु, महासचिव की छवि खराब करने के उद्देश्य से एक टिप्पणी की है। इस टिप्पणी पर, समग्र रूप से हमारी एकता बनी रहे इसका ध्यान रखते हुए, किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया हमने व्यक्त नही की। किन्तु यह मैटर बीएसएनएल ईयू की छवि धूमिल करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप्स में व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है। इस टिप्पणी में सम्पूर्ण ट्रेड यूनियन मूवमेंट पर किए गए अपमानजनक रिमार्क्स ने हमारे साथियों को आहत किया है और उन्होंने सीएचक्यू से मांग की है कि SEWA BSNL द्वारा उठाए गए मुद्दों को सीएचक्यू क्लेरिफाय (स्पष्ट) करे।

अपनी वेबसाइट पर SEWA BSNL ने लिखा है कि आंदोलन कार्यक्रम (प्रदर्शन एवं तीन दिवसीय भूख हड़ताल) का नोटिस SEWA BSNL की सहमति के बगैर जारी किया गया और GS, BSNLEU द्वारा GS,SEWA BSNL के स्कैन्ड हस्ताक्षर का दुरुपयोग किया गया। GS, BSNLEU के इस आपराधिक कृत्य की वजह से SEWA BSNL को आंदोलन में शामिल न होने का निर्णय लेना पड़ा। इसके अलावा यह भी लिखा गया है कि BSNLEU द्वारा SEWA BSNL के विरुद्ध कई पत्र लिखे जा रहे हैं, SEWA BSNL को निष्क्रिय करने के प्रयास किए जा रहे हैं और आंतरिक विवाद निर्मित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही ***SEWA BSNL ने एक बहोत ही घिनौनी टिप्पणी करते हुए कहा है कि हड़ताल के दौरान लीडर्स गेट कीपर बन जाते हैं और कर्मचारियों के सामने स्ट्राइक को सपोर्ट करने के लिए परोक्ष रूप से भीख मांगते हैं।*** हमारे कई कॉमरेड्स ने इन सबका जवाब देने का सीएचक्यू से अनुरोध किया है।

प्रथमतः हम यह बताना चाहेंगे कि ऑल यूनियन्स और एसोसिएशन्स ऑफ बीएसएनएल (AUAB) के सारे निर्णय महासचिवों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई मीटिंग्स में ही लिए जाते हैं। SEWA BSNL, AUAB का एक घटक है। मार्च 2018 से AUAB की 8 मीटिंग्स हो चुकी है। इन मीटिंग्स की दिनांक है: 27.03.2018 : 17.04.2018 : 24.04.2018 : 08.05.2018 : 23.05.2018 : 24.05.2018 : 26.06.2018 & 04.07.2018. इन मीटिंग्स में से कॉम एन डी राम,GS, SEWA BSNL ने एक भी मीटिंग अटेंड नही की है। केवल 08.05.2018 को हुई एक मीटिंग में SEWA BSNL के पदाधिकारी श्री राम अवतार मीणा उपस्थित थे। इन आंकड़ों से कर्मचारी यह समझ सकते हैं कि GS, SEWA BSNL श्री एन डी राम AUAB की एकता और AUAB की कार्यप्रणाली के प्रति कितने गंभीर हैं। जब सभी महासचिव, जिसमें शामिल हैं कॉम पी अभिमन्यु , GS, BSNLEU, कॉम चंदेश्वर सिंह, GS, NFTE BSNL, कॉम सेबेस्टिन, GS, SNEA, कॉम प्रह्लाद राय, GS, AIBSNLEA एवं AIGETOA, BSNL MS, TEPU, BSNL ATM, BSNL OA, आदि के महासचिव या उनके प्रतिनिधि एक या दो मीटिंग्स को छोड़ कर लगभग सभी मीटिंग्स अटेंड कर चुके हैं तो यह हमारी समझ से परे है कि ऐसी क्या वजह है कि कॉम एन डी राम AUAB की सभी 8 मीटिंग्स में अनुपस्थित रहे। वो यह भी नही कह सकते हैं कि उन्हें इन मीटिंग्स की सूचना नही मिली। जब सभी महासचिवों को सूचनाएं प्राप्त हो रही है तो कॉम एन डी राम सूचना प्राप्त न होने का दावा नही कर सकते हैं।

सामूहिक रूप से लिए गए निर्णयों को मानना AUAB जैसे अम्ब्रेला आर्गेनाईजेशन में शामिल प्रत्येक घटक का मूल अनुशासन होना चाहिए। यह भी फैक्ट है कि एक या दो संगठनों के जीएस या उनके प्रतिनिधि किसी मीटिंग विशेष में शामिल नही हुए हों, किंतु वें सभी AUAB की प्रजातांत्रिक और सामूहिक रूप से लिए गए निर्णयों को स्वीकार करते हैं और उन पर अमल भी करते हैं

प्रदर्शन और क्रमिक भूख हड़ताल का निर्णय AUAB द्वारा 26.06.2018 को हुई मीटिंग में सामूहिक रूप से लिया गया था। SEWA BSNL ने यह मीटिंग अटेंड नही की जबकि इसकी सूचना उन्हें दे दी गई थी। उसी दिन (26.06.2018) मीटिंग के मिनिट्स GS, SEWA BSNL सहित सभी महासचिवों को इ-मेल द्वारा प्रेषित कर दिए गए थे। (Circular No: UA/2017/24 dated 26.06.2018). ***उस समय GS, SEWA BSNL ने लिए गए निर्णयों पर कोई आपत्ति नही ली थी।***

आंदोलन का नोटिस सेक्रेटरी, डॉट और सीएमडी, बीएसएनएल को 06.07.2018 को दिया गया था ।(AUAB letter No: UA/2017/26 dated 06.07.2018). AUAB में जारी व्यवस्था के तहत यह नोटिस महासचिवों के स्कैन्ड हस्ताक्षर कर प्रेषित किया गया था। यह भी स्पष्ट रूप से सभी को जान लेना चाहिए कि सेक्रेटरी, डॉट और सीएमडी, बीएसएनएल को नोटिस भेजने के पूर्व नोटिस का मसौदा कॉम एन डी राम सहित सभी महासचिवों को 05.07.2018 को उनके सुझाव / अनुमोदन के लिए ई-मेल किया गया था। कॉम के सेबेस्टिन, GS, SNEA और कॉम प्रह्लाद राय, GS, AIBSNLEA द्वारा कुछ सुझाव दिए गए थे। इन सुझावों को नोटिफिकेशन में समाविष्ट करने के पश्चात 06.07.2018 को नोटिस सेक्रेटरी, डॉट और सीएमडी, बीएसएनएल को भेजा गया।

यदि कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL को किसी प्रकार की आपत्ति थी तो उन्हें इ-मेल द्वारा प्रेषित ड्राफ्ट नोटिफिकेशन प्राप्त होने पर आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी। यदि वे नोटिफिकेशन पर उनके स्कैन्ड सिग्नेचर नही चाह रहे थे तो उनको ईमानदारी से सूचित करना चाहिए था। किन्तु उन्होंने ऐसा नही किया। वो ये दावा नही कर सकते हैं कि उन्हें इ-मेल प्राप्त नही हुआ। कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL को ड्राफ्ट नोटिफिकेशन की प्रति इ -मेल द्वारा भेजे जाने के प्रमाण स्वरूप रिकॉर्ड उपलब्ध है। ***यह फैक्ट है कि कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL ने स्कैन्ड सिग्नेचर को लेकर कोई आपत्ति नही ली थी।*** यदि उन्हें कोई आपत्ति थी तो उन्हें सूचित करना चाहिए था। AUAB द्वारा आंदोलन के नोटिस से उनका नाम और सिग्नेचर हटा दिए जाते।

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि AUAB किस तरह पूर्ण रूप से प्रजातांत्रिक और सामूहिक रूप से कार्य कर रही है और किस तरह एक व्यक्ति कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL कर्मचारियों के हितों के साथ साथ बीएसएनएल की सुरक्षा के लिए किए जा रहे पूर्ण संघर्ष में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

BSNLEU न तो SEWA BSNL के खिलाफ प्रबंधन को लिख रही है और न ही किसी प्रकार से आंतरिक विवाद निर्मित कर रही है। BSNLEU, SEWA BSNL के इस निर्णय का जरूर पुरजोर विरोध करती है कि SC/ST कर्मचारी केवल SEWA BSNL के ही मेंबर रहें और किसी अन्य ट्रेड यूनियन के मेंबर न बनें। हां, इसके विरोध में BSNLEU ने प्रबंधन को पत्र लिख कर यह मांग जरूर की है कि SC/ST कर्मचारी दोनों ही, ट्रेड यूनियन और SEWA BSNL के मेंबर बने रह सकते हैं। इसमें गलत क्या है ? BSNLEU ने SEWA BSNL में कभी भी आंतरिक विवाद निर्मित करने का प्रयास नही किया है।

जैसा कि कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से पॉइंट आउट किया है, यह सही है कि जब भी स्ट्राइक होती है, AUAB के लीडर्स कार्यालयों के गेट पर खड़े हो कर कर्मचारियों को स्ट्राइक में शामिल होने का अनुरोध करते हैं (इस अनुरोध को कॉम एन डी राम भीख मांगना कहते हैं)। जब जब स्ट्राइक होती है कर्मचारियों का एक बड़ा तबका स्वेच्छा से स्ट्राइक में शामिल होता है। फिर भी, कुछ कर्मचारी आफिस में जाने की कोशिश में रहते हैं। ऐसे में AUAB के लीडर्स कर्मचारियों से स्ट्राइक को न तोड़ने का अनुरोध करते हैं (स्ट्राइक न तोड़ने की भीख मांगते हैं।)

कॉम एन डी राम, GS, SEWA BSNL को यह समझना चाहिए कि यह भीख लीडर्स द्वारा अपनी जेबें भरने के लिए नही, वरन कर्मचारियों की जायज मांगों के निराकरण के लिए मांगी जाती है। यह अत्यंत खेद जनक है कि SEWA BSNL के जनरल सेक्रेटरी इस हद तक गिर चुके हैं कि वे कर्मचारियों के संघर्ष और ट्रेड यूनियन मूवमेंट के लीडर्स का अपमान कर रहे हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि एन डी राम जैसे लोग आज जिन विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं, वह निरंतर किए गए संघर्षों का ही प्रतिफल है और ऐसे संघर्षों की सफलता के लिए लीडर्स को अपने साथियों से सहयोग की "भीख" भी मांगना पड़ती है।

****